जनपद–बिजनौर की भ्रमण आख्या

भ्रमण टीम– डॉ0 राजेश झॉ, महाप्रबंधक–कम्यूनिटी प्रोसेस श्री अभिषेक सोनी, सलाहकार–नियोजन श्री परमहंस कुशवाहा, कार्यक्रम समन्वयक–आर.बी.एस.के.	**दिनांक**–27–28 सितंबर 2016 **स्थान** –जनपद– बिजनौर

राज्य स्तरीय गठित टीम द्वारा दिनांक 27–28 सितम्बर 2016 को जनपद बिजनौर का भ्रमण किया गया। भ्रमण की संक्षिप्त रिपोर्ट निम्वत है–

दिनांक– 27.09.2016

सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र–किरतपुर

- आशा का भुगतान समय से हो रहा था।
- सभी आशाओं का खाता आधार से लिंक करा दिया गया है।
- आई.ई.सी. का प्रदर्शन अच्छा था।
- आर.के.एस. रजिस्टर का रखरखाव सही नही था। प्रस्ताव एवं मीनट्स सही ढंग से नहीं लिखे गये थे।
- ड्रग एक्पायरी डेट रजिस्टर नहीं बना था।
- 2 फार्मासिस्ट के स्थान पर 4 फार्मासिस्ट की तैनाती की गयी थी जिसमें से मुख्य फार्मासिस्ट को किसी अन्य स्थान पर सम्बद्ध किया गया है। इस प्रकरण में उचित होता कि मुख्य फार्मासिस्ट को उनके तैनाती की जगह पर रखा जाता तथा किसी एक को अन्य स्थान पर सम्बद्ध किया जाता।
- ई.डी.एल. ठीक तरह से व्यवस्थित नहीं था।
- एम.ओ.आई.सी. द्वारा आर.के.एस. फण्ड की कमी बतायी गयी।
- आर.बी.एस.के. के दोनो टीमों के 8 स्टॉफ में से केवल 5 सदस्य ही उपस्थित थे, पूछने पर पता चला कि दो स्टाफ छुट्टी पर है तथा एक का कोतवाली पी.एच.सी. पर सम्बद्ध किया गया है। विजिट के दौरान आर.बी.एस.के. टीम द्वारा द्वारा बताया गया कि 9 बजे स्कूल पर परीक्षण करने गयी और 11.30 बजे तक सी.एच.सी. पर 145 बच्चों का परीक्षण करके वापस आ गयी थी।
- आर.बी.एस.के. कार्ड, रजिस्टर, सर्विस एक्सेस रिपोर्टिंग फारमेंट उपलब्ध नही था। टीम द्वारा बताया गया कि हम लोग आर.बी.एस.के. रजिस्टर कभी मिला ही नही। उपकरण में

केवल बी.पी. मशीन थी अन्य उपकरण नहीं थे। रिपोर्ट का डाक्यूमेन्ट सहीं नही था। कार्यक्रम में नॉन टैक्सी परमिट वाहन का उपयोग किया जा रहा है।

- लेवर रुम में आक्सीजन सिलेण्डर खाली था। इमरजेन्सी मेडिसिन ट्रे पर दवाओं की सूची नहीं लगी थी।
- वेस्ट डिस्पोजल 3 दिन में ले जाता था। एम.ओ.आई.सी. द्वारा बताया गया कि गाड़ी वाला लगभग एक सप्ताह से नहीं आ रहा है।

पी.पी.सी.– नजीबाबाद

- पुरानी बिल्डिंग में संचालित की जा रही है।
- आर0के0एस0 का फण्ड नहीं मिला है।
- पी0पी0सी0 पर सीजेरियन प्रसव नहीं किया जा रहा है।
- एम.ओ.आई.सी. द्वारा बताया गया कि चिकित्सकों के आवास बहुत खराब हो गया है जिसे रिपेयर कराने की जरूरत है।

कल्हड़ी गॉव–

- आशा– भगवती एवं ए.एन.एम. वीना कार्यरत है। आशा द्वारा बताया गया कि वी.एच.आई. आर. रजिस्टर पिछले साल प्रिन्ट कराया गया था इस साल प्रिन्ट कराया जा रहा है।
- गर्भवती महिला– सविता, रुही एवं तवस्सुम से बात की गयी।
- आशा किट में सभी सामग्री उपलब्ध थी।
- आशा का कार्य अच्छा है, इसके लिए उसे सम्मानित भी किया गया।

मुख्य चिकित्सा अधिकारी के साथ बैठक–

शाम 6.00 बजे मुख्य चिकित्सा अधिकारी के साथ बैठक करके दिनभर के गतिविधियों को फीडबैक दिया गया।

- आर.बी.एस.के. कार्ड, रजिस्टर, सर्विस एक्सेस रिपोर्टिंग फारमेट उपलब्ध नही था। उपकरण में केवल बी.पी. मशीन थी अन्य उपकरण नहीं थे। कार्यक्रम में नॉन टैक्सी परमिट वाहन का उपयोग किया जा रहा है, जोकि गलत है।
- एम.ओ.आई.सी. के रुम के रिपेयर के संदर्भ बताया गया तो उनके द्वारा बताया गया कि हमारे पास जे.ई. नहीं है, मेरठ से जे.ई. बुलाकर सही कराने का अश्वासन दिया गया।

...क– 28.09.2016

जिला महिला चिकित्सालय–

- यह चिकित्सालय जिला संयुक्त चिकित्सालय है।
- पुनर्नियोजन के रुप में डा0 बाबू सिंह बाल चिकित्सक कार्यरत है। रीन्यूअल के लिए डी. जी. आफिस अनुरोध कर दिया गया है।
- ज्यादातर दवाओं की आर.सी. समाप्त हो गयी थी जिसे उपलब्ध कराने में कठिनाई हो रही है।
- एन.बी.एस.यू. एवं एस.एन.सी.यू. स्थापित है लेकिन मानव संसाधन की तैनाती न होने के कारण संचालित नही हो पा रहा है।
- प्रोटोकाल पोस्टर सहीं नहीं लगे थे।
- लेवर रुम में प्राइवेसी नहीं थी।
- आशा प्रशिक्षण का तीसरा दिन चल रहा था।
- महिला जिला चिकित्सालय में किशोरी स्वास्थ्य क्लीनिक की स्थापना की गई थी जिसमें आई.सी.टी.सी. काउन्सलर्स एवं ए.एच. काउन्सलर दोनो साथ में बैठते है। क्लीनिक में किशोरियों के काउन्सलिंग के लिए गोपनियता/उचित वातावरण नहीं था। क्लीनिक के कम्प्यूटर का उपयोग आफिस में बाबू द्वारा किया जा रहा है। क्लीनिक में कोई भी उपकरण उपलब्ध नहीं था। साइनबोर्ड पर क्लीनिक का नाम पता गलत लिखा हुआ था। सितम्बर में 586 क्लाइन्ट की काउन्सलिंग की गई।

नोट– भ्रमण के दौरान सी.एम.ओ, अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी, जिला कम्यूनिटी प्रोसेस प्रबंधक, बी0सी0 पी0एम0 तथा संबंधित सी.एच.सी./पी.एच.सी. के अधीक्षक का पर्याप्त सहयोग मिला।

भ्रमण के दौरान पाये गये कमियों को सुधारात्मक कार्यवाही करने हेतु संबंधित को निर्देशित किया गया।